भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/,e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi@rediffmail.com

दिनांक: 21.05.2026

विशेष बुलेटिन- 12

झारखण्ड राज्य में उष्ण लहर (Heat wave),गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) का कृषि पर

"प्रभाव आधारित पूर्वानुमान"

दिनांक*	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, धनबाद, गुमला, हज़ारीबाग, कोडरमा, लोहरदगा ,खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उतर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा तथा लातेहार)	उतर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
21.05.2026	राज्य के उत्तर –पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष भागों में **कहीं-कहीं पर गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (अधिकतम गति: 40-50 kmph) चलने की संभावना है।**			
22.05.2026	राज्य के उत्तर –पश्चिमी **तथा** निकटवर्ती मध्य (हजारीबाग ,कोडरमा, लोहरदगा)भाग को छोड़कर शेष भागों में कहीं कहीं पर- **गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (अधिकतम गति: 40-50 kmph) चलने की संभावना है।**			
	राज्य के पलामू, गढ़वा तथा चतरा में कहीं-कहीं उष्ण लहर चलने की संभावना है ।			
23.05.2026	राज्य के उत्तर –पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य (धनबाद ,बोकारो) भागों में कहीं कहीं-**पर गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (अधिकतम गति: 50-60 kmph) चलने की संभावना है।**			
	राज्य के मध्य तथा दक्षिणी भागों में कहीं कहीं पर-**गर्जन/वज्रपात होने एवं आंधी (अधिकतम गति: 40-50 kmph) चलने की संभावना है।**			
	राज्य के पलामू, गढ़वा तथा चतरा में कहीं-कहीं उष्ण लहर चलने की संभावना है ।			
24.05.2026	राज्य के उत्तर –पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य (धनबाद ,बोकारो,रामगढ़ ,कोडरमा तथा हजारीबाग) भागों में कहीं कहीं-पर **गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (अधिकतम गति: 50-60 kmph) चलने की संभावना है।**			
	राज्य के चतरा,राँची ,खूँटी ,लोहारदगा तथा गुमला जिलों **एवं** दक्षिणी भाग में कहीं कहीं पर- **गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (अधिकतम गति: 40-50 kmph) चलने की संभावना है।**			
25.05.2026	राज्य के उत्तर –पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष भागों में **कहीं-कहीं पर गर्जन/वज्रपात होने एवं आंधी (अधिकतम गति: 40-50 kmph) चलने की संभावना है।**			

*(किसी भी दिनांक को जारी पूर्वानुमान, अगले दिन के सुबह 0830 भा.मा.स. तक वैध है ।

उष्ण लहर ,गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (Heat Wave ,Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है I)

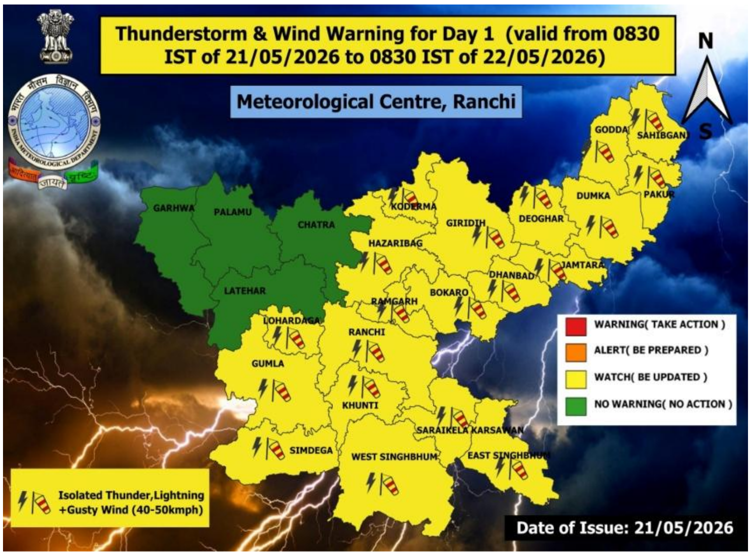

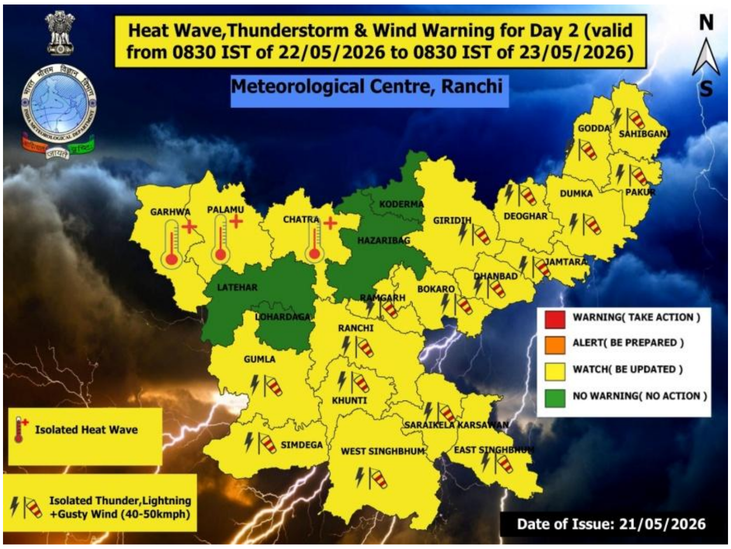

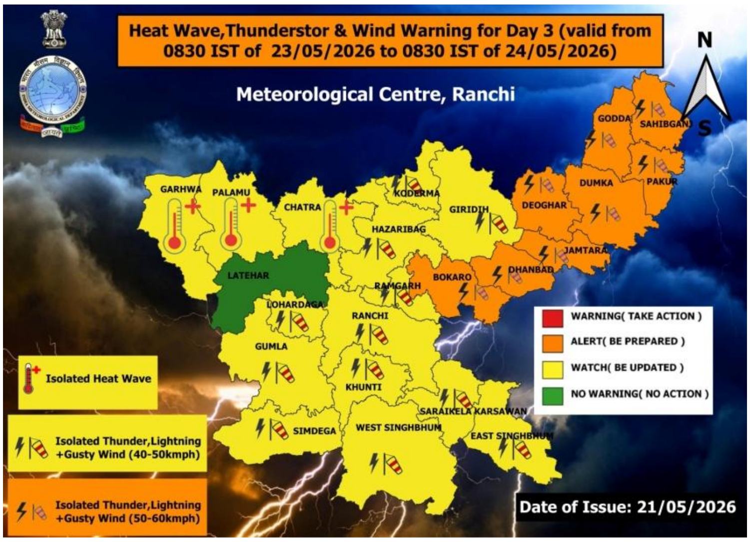

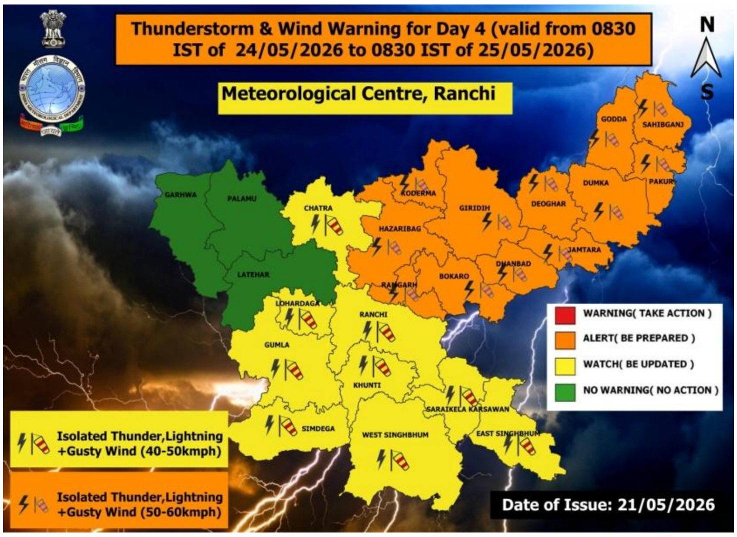

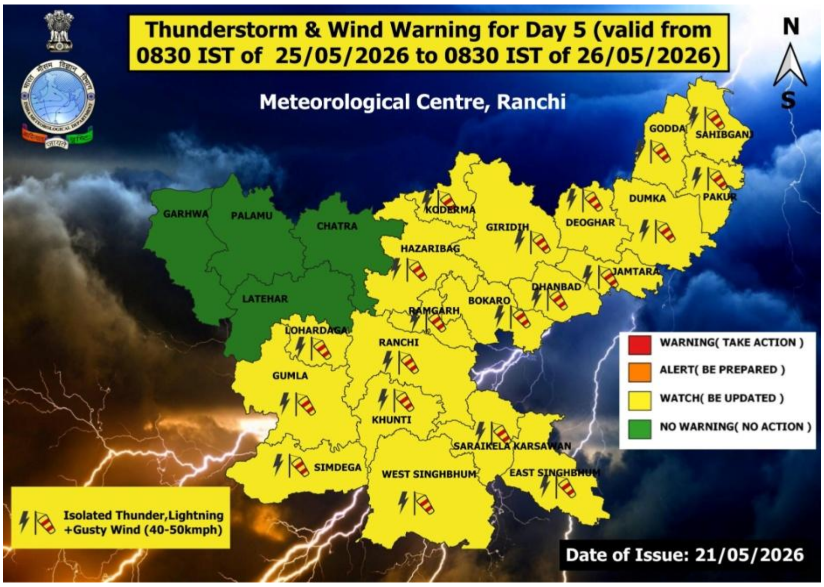

उष्ण लहर (Heat Wave) से फसल एवं सब्जियों का बचाव

Crop	Possible Impact (संभावित प्रभाव)	Mitigation (प्रभाव को कामकरने के उपाय)
गरमा धान	• परागन की प्रक्रिया नहीं हो पाना • अनाज के दाने बदरंग हो जाना • तना छेदक कीट के प्रकोप देखे जा सकते हैं • फसलों का जल्दी पकना जिससे धान की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ना	• सुबह एवं शाम के समय सिचाई करें • खेतों में निराई गुड़ाई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाए जिससे मृदा में नमी बनी रहेगी
सब्ज़ी	• वनस्पति विकास में कमी आना • सब्जियों की फसलों में फूल और फल गिरना • ककड़ी, करेला का जल्दी सूखना • टमाटर में दरारें और झुलसना • सब्जियों में सफ़ेद मक्खी के प्रकोप देखे जा सकते हैं	• नर्सरी अवस्था वाली सब्जियों को पुआल से ढक दें • खड़ी सब्जियों पर सुबह एवं शाम के समय सिचाई करें • खेतों में निराई गुड़ाई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाए जिससे मृदा में नमी बनी रहेगी
फल	• आम ,नींबू एवं जाम में फल एवं फूलों का गिरना • आम का गुच्छा रोग • कीटों का प्रकोप • आम के फलों के आकार में कमी	• आम, नीबू, पपीता आदि के बागों में शाम के समय सिंचाई की जाए ,ताकि बागों में पर्याप्त नमी बनी रहे।" • खेतों में निराई गुड़ाई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाए जिससे मृदा में नमी बनी रहेगी
पशुपालन	• भूख में कमी • दूध के उत्पादन में कमी होना	• पशुओं को स्वच्छ जल हैंडपंप, कुआं, नहर, टयूबवेल का पानी पिलाए • पशुओं को खाने में नमक दें • मवेशियों के रहने की जगह को कपड़ें से ढक दे जिससे सीधी धूप ना आ सके।

गर्जन/वज्रपात एवं आंधी से कृषि पर होने वाले संभावित प्रभाव एवं बचाव

कृषि पर संभावित प्रभाव

1. फसलों को नुकसान
    - तेज आंधी और बारिश से फसलें गिर सकती हैं।
    - वज्रपात एवं ओलावृष्टि से फसल नष्ट हो सकती है।
    - फूल एवं फल झड़ सकते हैं।
2. पेड़-पौधों पर प्रभाव
    - तेज हवा से पेड़ टूट सकते हैं।
    - सब्जियों एवं बागवानी फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।
3. मिट्टी एवं सिंचाई पर असर
    - तेज बारिश से मिट्टी का कटाव होता है।
    - खेतों में जलभराव से फसल खराब हो सकती है।
4. पशुपालन पर प्रभाव
    - खुले में बंधे पशुओं पर बिजली गिरने का खतरा रहता है।
    - पशुओं के चारे एवं शेड को नुकसान हो सकता है।
5. कृषि उपकरणों का नुकसान
    - बिजली गिरने से मोटर, पंपसेट एवं अन्य उपकरण खराब हो सकते हैं।

बचाव के उपाय

फसल सुरक्षा

- मौसम पूर्वानुमान की जानकारी नियमित रूप से लें।
- पकी हुई फसल को जल्द कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।
- खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- बागवानी फसलों में पौधों को सहारा दें।

वज्रपात से बचाव

- गर्जन के समय खेत में कार्य न करें।
- पेड़ों के नीचे खड़े न हों।
- बिजली उपकरणों का उपयोग बंद रखें।
- खेत में लगे पंपसेट का स्विच बंद कर दें।

पशुधन सुरक्षा

- पशुओं को खुले मैदान में न रखें।
- उन्हें सुरक्षित एवं छायादार स्थान पर बांधें।

कृषि उपकरण सुरक्षा

- ट्रैक्टर, पंपसेट एवं मशीनों को ढककर सुरक्षित रखें।
- बिजली के तार एवं उपकरणों की जांच करते रहें।

आपातकालीन तैयारी

- स्थानीय प्रशासन एवं मौसम विभाग की चेतावनी का पालन करें।

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची